

क्रियाविधि (क्रिया + विधि) m. eine Regel über die Art und Weise, wie man in einem bestimmten Falle zu handeln hat, M. 9, 220. 12, 87. ०३ PĀṆKĀT. II, 130.

क्रियाविशाल (क्रिया + वि०) n. Titel des 13ten unter den 14 Pūrva oder ältesten Schriften der Gāṇa H. 248.

क्रियाविशेषण (क्रिया + वि०) n. die nähere Bestimmung einer Handlung, Adverb Kāc. zu P. 2, 4, 30. Vop. 3, 2.

क्रियेन्द्रिय (क्रिया + इन्द्रिय) n. ein Organ für sinnliche Verrichtungen. (s. कर्मेन्द्रिय) H. 1384.

1. क्रि०वि adj.: रुद्र पते क्रि०वि परं नाम VS. 10, 20. Vgl. क्रयि.

2. क्रि०वि m. 1) am ehesten scheint die Bed. Schlauch zulässig, welche zugleich, wie viele ähnliche Bezeichnungen, auf die Wolke angewandt wird, in welchem Falle Śā. in dem Worte den Namen eines Asura sieht. Davon liegt auch die Auffassung des Wortes Naigh. 3, 23 als Name für Brunnen nicht weit ab. आ व इन्द्रं क्रि०वि (SV. कृ०वि) यथा वाजयन्ते शतक्रतुम् । मंदि०सि सिद्ध इन्द्रंभिः RV. 4, 30, 1. युष्मी वा स्तोमौ अग्निना क्रि०विं सेक आ गतम् 8, 76, 1. अग्निं वक्रि०र्मर्त्यः सप्त पश्यति वावहिः । क्रि०विर्देवीरेतर्पयत् 9, 9, 6. अथ त्रियोमौ अयोऽन्ता क्रि०विं (SV. कृ०वि) युधाभवत् 2, 22, 2. प्र यो नन्ते अयोऽन्ता क्रि०विं वधैः शुद्धं निषोषयन् VĀLAKH. 3, 8. येना पृथिव्यां नि क्रि०विं शयय्ये वज्रेण कृत्यवृणक्तुविष्णोः RV. 2, 17, 6. क्रि०विर्नामानि प्रवृणो मुपायति 5, 44, 4. — 2) N. pr. älterer Name der Pāṇkāla: क्रियय इति रु वै पुरा पञ्चालानाचनते ÇAT. Br. 13, 3, 4, 7. So möglicher Weise auch in den Stellen: याभिः सिन्धुमव्यं याभिस्तूर्व्यं याभिर्दशस्वया क्रि०विम् RV. 8, 20, 24. याभिः क्रि०विं वावृत्ताभिरा गतम् 22, 12.

क्रि०विर्दन् (क्रियिम्, viell. N. eines Thiers, + दन्त् Zahn) adj. f. ०दन्ती Nir. 6, 30. यत्रा वो दियुर्दन्ति क्रि०विर्दन्ती RV. 4, 166, 6.

1. क्री, क्रीणाति und क्रीणीति kaufen, erkaufen Dhātup. 31, 1. mit dem instr. des Preises und abl. (auch अन्तिकात् oder gen. der Person, von welcher gekauft wird: प्रुक्रं वा प्रुक्रेण क्रीणामि VS. 4, 26. 8, 55. 19, 15. क इमं दशभिर्मिन्द्रं क्रीणाति धेनुभिः wer kauft mir den Indra um zehn Kühe ab RV. 4, 24, 10. TS. 6, 1, 10, 3. 7, 1, 6, 2. यथा क्रीत्वा धनमाकर्णाय AV. 3, 13, 2. ÇAT. Br. 3, 3, 3, 1. 4, 1, 7. 4, 5, 1, 2. 5, 1, 3, 14. प्राच्यां वै दिशि देवाः सोमं राजानमक्रीणांस्तस्मात्प्राच्यां दिशि क्रीयते । तं त्रयोदशान्मासादक्रीणांस्तस्मात्त्रयोदशो मासो नानुविद्यते Ait. Br. 1, 12, 27. यत्र राजानं क्रेय्यतः स्युः LĀTJ. 5, 3, 8, 9. क्रीणीयाद्यस्वपत्यार्थं मातापित्रोर्ममत्तिकात् । स क्रोतकः सुतस्तस्य M. 9, 174. यं (अर्थ) क्रीणात्यसुभिः प्रैष्ठैस्तस्करः सेवका वणिक् Buhā. P. 7, 6, 10. काञ्चित्सकृन्मूर्खाणामकं क्रीणासि पाण्डितम् MBh. 2, 168. (लोकान्) क्रीणीषितास्तृणकेनापि 1, 3666. काकेनेमाश्चित्रवर्कान् शार्ङ्गलान्क्रोष्टुकेन च । क्रीणीष्व पाण्डवान् 2, 2103. द्विदोणेन oder द्विदोणं क्रीणाति er kauft immer zu zwei Droṇa Vop. 3, 12. क्रीत्वा M. 3, 32. 8, 222. क्रीत 413. 415. 9, 160 (पुत्र). मरुता पुण्यपण्येन क्रीतेयं कायनैस्त्वया ÇĀNTIC. 3, 1. PĀṆKĀT. I, 17. ततस्तीव्रेण तपसा क्रीता ऽहं धीरया तया KATHĀS. 1, 42. Vid. 307. क्रयक्रीतं च मैयुनम् Hit. I, 131. अयमत्रभवतीयां क्रीतः ich bin von ihnen gekauft so v. a. ganz für sie gewonnen ÇĀK. 33, 21, v. l. Ein auf क्रीत ausgehendes comp. mit vorangehendem Kaufpreise ist oxytonirt nach P. 6, 2, 151. अयमक्रीतं Sch. hat im fem. ई P. 4, 1, 50. वस्त्रक्रीती Sch. धनक्रीती Vop. 4, 18. nach

Siddh. K. auch आः धनक्रीता. — caus. क्राययति P. 6, 1, 48. Vop. 18, 17. — अय erkaufen: अयक्रीताः सक्रीयसीर्विहयः AV. 8, 7, 11. सा चेदस्मै न दद्यात्काममेनामयक्रीणीयात् ÇAT. Br. 14, 9, 4, 7 (Brh. ÂR. Up. 6, 4, 7: अयक्रीणीयात्).

— अग्निं zu einem bestimmten Zweck kaufen: एकं वा एय क्रीयमाणो ऽभिक्रीयते कृत्स्नमेव राव्याय ÇAT. Br. 3, 3, 3, 6. 4, 1, 7.

— अय med. P. 4, 3, 18. Vop. 23, 1. erkaufen, miethen: सा चेदस्मै न दद्यात्काममेनामयक्रीणीयात् (act. ! ÇAT. Br. 14, 9, 4, 7: अयक्रीणीयात्) Brh. ÂR. Up. 6, 4, 7. ब्राह्मणं तत्रियं वा सकृन्नेण शताश्वेनावक्रीय ÇĀKSH. ÇR. 16, 10, 10. 18, 18. — Vgl. अयक्रय.

— आ ankaufen: भार्या शुल्काक्रीताम् Daçak. 80, 4. — Vgl. आक्रय.

— उप ankaufen: घटादनुपक्रीय Hit. 113, 3, 4.

— निम् 1) act. abkaufen, loskaufen von (abl.): अग्नेरेवास्य शरीरे निष्क्रीणामि सोमाद्रसम् TS. 2, 1, 3, 7. 2, 10, 4. तेनैवैनामग्नेरधि निष्क्रीणात् 3, 4, 3, 1. 6, 1, 6, 5. निष्क्रीतः स यज्ञियं भागमेतु AV. 2, 34, 1. Ait. Br. 1, 27. ÇAT. Br. 5, 1, 5, 28. 3, 4, 2. ÇĀKSH. ÇR. 15, 20, 3, 9. 16, 22, 19. — 2) med. sich (आत्मानम्) loskaufen: पशुमालभते सर्वभ्य एव तदेवताभ्यो यजमान आत्मानं निष्क्रीणीति Ait. Br. 2, 3. अक्रमेयामेकेनात्मानं निष्क्रीणा इति 7, 15. तत्पशुनात्मानं निष्क्रीणीति ÇAT. Br. 3, 3, 3, 21. 22 (ohne आत्मानम्). 6, 3, 8. 11, 1, 8, 4. — Vgl. निष्क्रय.

— परि med. P. 4, 3, 18. Vop. 23, 1. 1) act. erkaufen, eintauschen: पयस्तैस्त्वा पर्यक्रीणान् AV. 4, 7, 6. ÇAT. Br. 11, 3, 3, 4. fgg. LĀTJ. 8, 4, 4, 7. न्ययोधग्रुङ्गाम् — त्रिःसतेर्यवैर्मायैवा परिक्रीय Govh. 2, 6, 6. erkaufen, gewinnen; mit dem instr. oder dat. des Preises P. 4, 4, 44. शतेन oder शताय परिक्रीतः Sch. भज्यै मुक्तिः परिक्रीता सद्विर्वितो रुपादिभिः Vop. 3, 18. सेभोगाय (= सेभगेन) परिक्रीतः कर्तास्मि तव नाप्रियम् Bhāṭṭ. 8, 78. — 2) act. dingen, miethen: राजन्यम् ÇAT. Br. 12, 8, 1, 6. KĀTJ. ÇR. 19, 3, 16. ब्राह्मणं मुराय परिक्रीणीयात् ÇĀKSH. ÇR. 15, 13, 14. परिक्रीतः (verschieden von क्रीतः) सुतः MBh. 1, 4672. — 3) med. wiedervergelten: कृतेनोपकृतं वायोः परिक्रीणानः Bhāṭṭ. 8, 8. — Vgl. परिक्रय u. s. w.

— वि med. P. 4, 3, 18. Vop. 23, 1. 1) kaufen und verkaufen, handeln, erhandeln: वस्त्रेव वि क्रीणावकृत् इयमूर्धं शतक्रतो VS. 3, 49. प्रजया स वि क्रीणीति (यो गो न दित्सति) er handelt um seine Kinder d. h. es kostet ihn seine Kinder (wenn er die Kuh nicht überlassen will) AV. 12, 4, 2. — 2) eintauschen gegen (instr.), verkaufen für (instr.); med.: गवां शतसकृन्नेण विक्रीणीये सुनं यदि R. 4, 61, 13. विक्रीणीति तिलान् M. 10, 90. विक्रीणीति परस्य स्वं यः 8, 197. भूयिष्ठं कूटमानैश्च (mit falschem Maass oder Gewicht) पापं विक्रीणीते जनाः MBh. 3, 12857. मांसानि — विक्रीणीति युधिष्ठिरे 4, 331. वासांसि — विक्रीणानश्च सर्वेभ्यः पाण्डवेभ्यः प्रयच्छति 332. KATHĀS. 9, 84. act.: विक्रीणाति तिलैस्तिलान् । लुब्धितानितैः PĀṆKĀT. II, 68. नाहं ज्येष्ठं नरश्रेष्ठ विक्रीणीयां कथं च न R. 4, 61, 13. यः क्रीत्वा विक्रीणाति स क्रयविक्रयी GOVINDAR. bei KULL. zu M. 3, 51. विक्रीणाताम् (gen. pl.) JĀG. 2, 250. क्रीत्वा विक्रीय वा किञ्चित् M. 8, 222. RĀGĀ-TAR. 3, 274. Hit. 113, 3. विक्रीतुम् 87, 2. पित्रा विक्रीयते सुतः Vet. 32, 19. व्रपकण्ठेन विक्रीयमाणं पुस्तकम् PĀṆKĀT. 127, 9. काचमूत्थेन विक्रीते। कृत चित्तामणिर्मया ÇĀNTIC. 1, 12. तथा तद्वारु विक्रीतं पणानां बहुभिः शतैः KATHĀS. 6, 46. R. 4, 61, 20. स्वयंविक्रीतेदेकस्य सेवकस्य Vet. 29, 17. विक्रीत n. Verkauf M. 8, 165. — desid. med. eintauschen wollen, für Etwas (instr.)